कौशल और इसके मूल तत्व (Skill and its basic elements)

उद्देश्य : इस पाठ के अन्त में आप निम्नलिखित कार्य करने योग्य होंगे :

- **कौशल को परिभाषित करना**
- **कौशल के मूल तत्व की व्याख्या**
- **कौशल की विशेषताओं की व्याख्या।**

परिचय (Introduction)

हमारे प्रशिक्षण का सबसे कठिन और महत्त्वपूर्ण भाग प्रशिक्षक/अनुदेशक से कौशल को स्थानांतरित करना और नये प्रशिक्षुओं को सक्षम तथा आत्मविश्वास कार्यकर्ता बनना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारे प्रशिक्षण के आधार पर परीक्षण और कौशल विश्लेषण करना बहुत आवश्यक है। **डब्ल्यू डौगलस सीमोर,** जिन्होंने पहली बार "कौशल विश्लेषण प्रशिक्षण" पर ध्यान आकर्षित किया था।

कौशल की परिभाषा (Definition of Skill)

प्रत्येक कार्यों में पक्ष जानना और करना दोनों होता है। ज्ञान का उपयोग इस अध्याय में जानकारी के रूप में किया जायेगा जो शिक्षार्थियों की मेमोरी में स्टोर है "ज्ञान" शब्द का यह सबसे सामान्य उपयोग है।

"सबसे किफायती तरीके से कार्य करने की अच्छी प्रकार से स्थापित आदत को कौशल के रूप में परिभाषित किया गया है। कौशल आमतौर पर कार्यवाही को संदर्भित करता है - बौद्धिक या भौतिक और विचारों और सोच की प्रतिक्रिया, जो एक व्यक्ति सक्षम तरीके से लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए करता है"

किसी भी कौशल और क्रिया में क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं के चार सामान्य रूप होते है-

- अनुभूति
- ज्ञान का स्मरण
- योजना और अंतिम
- प्रदर्शन का निष्पादन

कौशल को परिभाषा के आधार पर, प्रशिक्षको और शिक्षाविदो के अनुसार चार भागों में वर्गीकृत किया गया है-

- बौद्धिक कौशल - सोच एक संज्ञानात्मक कौशल
- अभिनय कौशल - शारीरिक कौशल
- प्रतिक्रिया कौशल - गुणो, भावनाओं और भावनाओं के संदर्भ में वस्तुए, स्थितियों और लोगों के लिए
- पारस्परिक कौशल - लोगों के साथ संचार, प्रेरणा, धारणा, स्वीकृति जैसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए

ज्ञान का स्मरण, अवधारणात्मक कौशल, भेदभाव पूर्ण कौशल, हस्त कौशल, प्रक्रियात्मक कौशल, समस्या निवारण कौशल, भाषण कौशल ये सभी अन्य प्रकार के कौशल है।

कौशल के मूलभूत तत्व और विशेषताएं (Basic Elements and characteristics of Skill)

यहां कौशल के तीन मूलभूत तत्व है ये निम्नलिखित है:-

- शुद्धता
- गति
- कारीगरी

शुद्धता (Accuracy)

यह कौशल के लिए महत्त्वपूर्ण पहला कारक है। सटिकता/शुद्धता का अर्थ है । नौकरी के लिए दिये गए अनिवार्यता को प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन/कौशल प्राप्त करने के लिए अभ्यास की पुनरावृत्ति से शुद्धता प्राप्त होती है। प्रशिक्षु को किसी से सहारे लेने से सही शुद्धता की प्राप्ति नहीं होती, लेकिन यह कई बार अंक हासिल करके सटीकता/शुद्धता प्राप्त करने में सक्षम हो सकते है। शुद्धता को दूसरे शब्दों में "धैर्यता/सहनशीलता" कहते है।

गति (Speed)

कौशल विकसित करने का यह दूसरा महत्त्वपूर्ण कारक है। कौशल को पूर्ण करने के लिए न्यूनतम समय के अलावा गति कुछ भी नहीं है। प्रशिक्षु एक मानक समय में कौशल के लिए योग्य होगा परंतु कई बार दोहराए जाने के बाद या क्रमिक अभ्यास के बाद एक न्यूनतम गति स्थापित कर सकता है। जिससे वह कौशल को पूर्ण कर सकता है इसलिए कौशल को पूर्ण करने के लिए या न्यूनतम समय तथा गति स्थापित करने के लिए अभ्यास की आवश्यकता है।

कारीगरी (Workmanship)

आर्थिक रूप से निर्धारित और क्रम में औजारों, सामग्री और उपकरणो का प्रयोग करने और उसे संभालने के लिए गुणवत्ता को पूरी तरह से अभ्यास के रूप में परिभाषित किया गया है।

"कार्य करने की दक्षता" के रूप में इसे जानते है कारीगारी एक या दो प्रयासों में नहीं हासिल होते इसके लिए निश्चित समय और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। विभिन्न प्रकार के कौशल से निश्चित रूप से कारीगरी हासिल की जा सकती है।

कौशल की विशेषता (Characteristics of Skill)

कौशल की तीन मूलभूत विशेषताएं है। ये निम्नलिखित है-

- चेन या मोटर प्रतिक्रिया (उत्तेजना - प्रतिक्रिया)
- गति समन्वय
- प्रतिक्रिया विधि

चेन या मोटर प्रतिक्रिया (Chain or motor response)

वस्तु को देखते ही संवेदी अंग सक्रिय होता है। इन उत्तेजनाओं के परिणाम स्वरूप कुछ कार्य होता है। जिसे प्रतिक्रिया मासपेशी गति कहते है जैसे उंगलिया, पैर, हाथ और पैर की उंगलियों को मोटर प्रतिक्रिया कहते है। जब कई प्रतिक्रियाओं को एक साथ किया जाता है तब इसे श्रृंखला या मोटर प्रतिक्रिया कहते है। कौशल का प्रदर्शन श्रृंखला या श्रेणी गति के साथ एक दूसरे से जुड़ जाते है।

गति समन्वय (Movement co-ordination)

कौशल के विकास के लिए व्यवहार का परिवर्तन का परिणाम हाथ, मांसपेशियाँ, नसों, आँखों की गति आदि का समन्वय है। हाथों और आँखों के समन्वित गति और अन्य अंगों के अनुसार मोटर कौशल का सही ढंग से प्रदर्शन किया जाता है।

प्रतिक्रिया विधि(Response pattern)

हम देखते है कि कौशल व्यवहार के जैसे प्रेरणा प्रतिक्रिया श्रृंखला बड़ी प्रतिक्रिया विधि के समान है। कौशल विकास अधिक जटिल मानव (प्रतिक्रियाओं का एक समान प्रवाह) में एकल प्रतिक्रिया विधि कौशल को सही तरीके से प्राप्त करने में शामिल होता है।

मॉडल प्रश्न-पत्र (Model Questions)

I बहुविकल्पी प्रश्न संग्रह (Multiple Choice Question items)

सही उत्तर का चयन करें (Choose the correct answer) :

सिद्धान्त 4.3

11 एक सक्षम तरीके से कार्य करने की आदत को क्या कहा जाता है ?

A कौशल

B योग्यता

C अभिवृत्ति/आदत

D ज्ञान

12 "सोच" किस प्रकार की कौशल की श्रेणी से संबंधित है ?

A अभिनय कौशल

B प्रतिक्रिया कौशल

C शारीरिक कौशल

D संज्ञात्मक कौशल

13 कौशल की पहला महत्त्वपूर्ण कारक क्या है ?

A कीमत

B गति

C सटिकता

D कारीगरी

14 कौशल की कौन सी विशेषताएं संवेदी अंगों को सक्रिय करता है ?

A मोटर प्रतिक्रिया

B प्रतिक्रिया नमूना

C गति का समन्वय

D कौशल का प्रदर्शन

15 कौशल के विकास में निरंतर अभ्यास के साथ क्या प्राप्त किया जा सकता है ?

A चाल

B योग्यता

C सटिकता

D कारीगरी